MAHARSHI DAYANAND SARASWATI UNIVERSITY,
AJMER

# पाठ्यक्रम

# SYLLABUS

**SCHEME OF EXAMINATION AND
COURSES OF STUDY**

**FACULTY OF ARTS & SOCIAL SCIENCE**

## M.A. RAJASTHANI

( एम. ए. राजस्थानी )

**M.A. Previous Examination**

**(w.e.f. 2018-19)**

**M.A. Final Examination**

**(w.e.f. 2019-20)**

संस्करण 2018

**ALKA PUBLICATIONS**

Purani Mandi, Ajmer

## NOTICE

1. Change in Statutes/Ordinances/Rules/Regulations Syllabus and Books may, from time to time, be made by amendment or remaking, and a candidate shall, except in so far as the University determines otherwise comply with any change that applies to years he has not completed at the time of change. **The decision taken by the Academic Council shall be final.**

## सूचना

1. समय-समय पर संशोधन या पुन: निर्माण कर परिनियमों/अध्यादेशों/नियमों / विनियमों / पाठ्यक्रमों व पुस्तकों में परिवर्तन किया जा सकता है, तथा किसी भी परिवर्तन को छात्र को मानना होगा बशर्ते कि विश्वविद्यालय ने अन्यथा प्रकार से उनको छूट न दी हो और छात्र ने उस परिवर्तन के पूर्व वर्ष पाठ्यक्रम को पूरा न किया हो। **विद्या परिषद द्वारा लिये गये निर्णय अन्तिम होंगे।**

© MAHARSHI DAYANAND SARASWATI UNIVERSITY, AJMER
Published and Printed by **ALKA PUBLICATIONS, AJMER**
☎ 0145-2426301
for Maharshi Dayanand Saraswati University, Ajmer



## एम. ए. राजस्थानी

एम.ए. राजस्थानी के पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध में कुल 09 प्रश्न पत्र होंगे जिनमें चार प्रश्न पत्र पूर्वार्द्ध में और पांच प्रश्न पत्र उत्तरार्द्ध में होंगे। सभी प्रश्न पत्र 100 अंकों के होंगे। प्रश्न पत्रों की समयावधि 3 घण्टे होगी।
नोट : समस्त प्रश्न पत्रों के उत्तर का माध्यम राजस्थानी भाषा होगा।

सत्र–2015–16 — **एम.ए.पूर्वार्द्ध**

| | | |
|---|---|---|
| प्रथम प्रश्न पत्र | : | आधुनिक राजस्थानी काव्य |
| द्वितीय प्रश्न पत्र | : | आधुनिक राजस्थानी गद्य |
| तृतीय प्रश्न पत्र | : | राजस्थानी भाषा एवं साहित्य का इतिहास |
| चतुर्थ प्रश्न पत्र | : | राजस्थानी लोक साहित्य एवं संत साहित्य |

सत्र–2016–17 — **एम.ए. उत्तरार्द्ध**

| | | |
|---|---|---|
| प्रथम प्रश्न पत्र | : | मध्यकालीन एवं प्राचीन काव्य |
| द्वितीय प्रश्न पत्र | : | मध्यकालीन एवं प्राचीन गद्य |
| तृतीय प्रश्न पत्र | : | काव्य शास्त्र एवं पाठालोचन |
| चतुर्थ प्रश्न पत्र | : | विशिष्ट साहित्यकार (कोई एक विकल्प) (1) ईसरदास (2) महाराजा चतुरसिंह (3) जनकवि गणेशलाल व्यास –'उस्ताद' |
| पंचम प्रश्न पत्र | : | निबंध |

### एम.ए.पूर्वार्द्ध

**प्रथम प्रश्न–पत्र** — **आधुनिक राजस्थानी काव्य**

समय : 3 घंटे — पूर्णांक : 100

**अध्ययन क्षेत्र** 1. आधुनिक राजस्थानी काव्य परंपरा का अध्ययन 2. आधुनिक काल की महत्त्वपूर्ण रचनाओं का विस्तृत अध्ययन 3. भाव, भाषा एवं शिल्प के बदलते स्वरूप के आधार पर आधुनिक रचनाओं का आलोचनात्मक अध्ययन

**पाठ्यपुस्तकें**

1. वीर सतसई : सूर्यमल्ल मीसण 2. बादळी : चन्द्रसिंह
3. राधा : सत्यप्रकाश जोशी 4. लीलटांस : कन्हैयालाल सेठिया

**अंक योजना** व्याख्या – चारों पाठ्य पुस्तकों में से 9X 4 = 36 अंक
आलोचनात्मक प्रश्न : चारों पाठ्य पुस्तकों में से 16X 4 = 64 अंक

**प्रथम इकाई** चारों पाठ्यपुस्तकों में से एक – एक सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी इनमें आन्तरिक विकल्प दिया जायेगा। (प्रत्येक व्याख्या हेतु 9 अंक निर्धारित होंगे) 36 अंक

**द्वितीय इकाई** वीर सतसई : सूर्यमल्ल मीसण : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

**तृतीय इकाई** बादळी : चन्द्रसिंह : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

**चतुर्थ इकाई** राधा : सत्यप्रकाश जोशी : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

**पंचम इकाई** लीलटांस : कन्हैयालाल सेठिया : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

**पाठ्यपुस्तकें**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | वीर सतसई | : | सूर्यमल्ल मिश्रण, (सं.) पतराम गौड, ईश्वरदान आशिया, कन्हैयालाल सहल प्रकाशक : बंगाल हिन्दी मण्डल, कलकत्ता। |
| 2. | बादळी | : | चन्द्रसिंह, चांद जळेरी प्रकाशन, जयपुर। |
| 3. | राधा | : | सत्यप्रकाश जोशी, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर। |
| 4. | लीलटांस | : | कन्हैयालाल सेठिया, कलकत्ता। |

**अभिप्रस्तावित ग्रन्थ**

1. परम्परा : सूर्यमल्ल मीसण विशेषांक, 'हेमाणी' अंक तथा 'आधुनिक राजस्थानी कविता' अंक प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर।
2. वीर सतसई : डॉ. शम्भूसिंह मनोहर, स्टूडेण्ट्स बुक कम्पनी, चौड़ा रास्ता, जयपुर।
3. वीर सतसई : (सं.) नरोत्तम स्वामी, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर।
4. राजस्थानी कविता : एक विश्लेषण : डॉ श्याम शर्मा : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

5. आधुनिक राजस्थानी साहित्य : प्रेरणा, स्त्रोत और प्रवृत्तियां : डॉ किरण नाहटा।
6. राजस्थानी साहित्य की समीक्षा : 'जागती जोत' अंक
प्रकाशक : राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर।

**द्वितीय प्रश्न–पत्र** **आधुनिक राजस्थानी गद्य**

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

**अध्ययन क्षेत्र** 1. आधुनिक राजस्थानी गद्य परम्परा का अध्ययन 2. आधुनिक काल की महत्त्वपूर्ण रचनाओ का अध्ययन 3. आधुनिक गद्य विधाओं में निबंध एवं कथा साहित्य का विशिष्ट अध्ययन

**पाठय पुस्तकें**

1. ओळूं री अखियातां : डॉ. नेमनारायण जोशी 2. राजस्थानी निबंध संग्रह : चन्द्रसिंह
3. आज री राजस्थानी कहाणियाँ : रावत सारस्वत 4. मांझळ रात : लक्ष्मीकुमारी चूंडावत

**अंक योजना** व्याख्या – 9X 4 = 36 अंक आलोचनात्मक प्रश्न 16X 4 = 64 अंक

**प्रथम इकाई** चारों पुस्तकों में से एक–एक सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी इनमें आन्तरिक विकल्प दिया जायेगा। (प्रत्येक व्याख्या हेतु 9 अंक निर्धारित होंगे) 36 अंक

**द्वितीय इकाई** ओळूं री अखियातां : डॉ. नेमनारायण जोशी : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

**तृतीय इकाई** राजस्थानी निबंध संग्रह : चन्द्रसिंह : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

**चतुर्थ इकाई** आज री राजस्थानी कहाणियाँ : रावत सारस्वत : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक
(केवल चयन्ति कहानियाँ)

**पंचम इकाई** मांझळ रात : लक्ष्मीकुमारी चूंडावत : आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

**पाठ्यपुस्तकें**

1. ओळूं री अखियातां : डॉ नेमनारायण जोशी : राजस्थानी ग्रंथागार , जोधपुर
2. राजस्थानी निबंध संग्रह : चन्द्रसिंह : राजस्थान साहित्य अकादमी , उदयपुर
3. आज री राजस्थानी कहाणियाँ : रावत सारस्वत : साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
(निर्धारित कहानियां : मास्टरजी : करणीदान बारहठ, गीतां रो बावळियो : किशोर कल्पनाकान्त, भारत भाग्य विधाता : नृसिंह राजपुरोहित, खजानो : प्रेमजी प्रेम, करड़ी आंच : मनोहर शर्मा, बरसगांठ : मुरलीधर व्यास, संजीवण : रामेश्वरदयाल श्रीमाळी, अलेखूं हिटलर : विजयदान देथा, अमर मिनख : श्रीलाल नथमल जोशी, सुकड़ीजता आंगणा : सांवर दईया।)
4. मांझळ रात : लक्ष्मीकुमारी चूंडावत, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।

**अभिप्रस्तावित ग्रन्थ**

1. आधुनिक राजस्थानी गद्य : परम्परा अंक
प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर।
2. आधुनिक राजस्थानी गद्य का इतिहास : डॉ रामस्वरूप व्यास, प्रकाशक : प्रवीण प्रकाशन, जोधपुर।
3. आधुनिक राजस्थानी साहित्य : प्रेरणा, स्त्रोत और प्रवृत्तियां : डॉ किरण नाहटा

**तृतीय प्रश्न–पत्र** **राजस्थानी भाषा और साहित्य का इतिहास**

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

**अध्ययन क्षेत्र**

1. भाषा एंव लिपि के विकास की परंपरा और सामान्य सिद्धान्त 2. राजस्थानी भाषा के उद्‌भव और विकास परंपरा का विशिष्ट अध्ययन 3. राजस्थानी लिपि – गुड़िया लिपि की जानकारी 4. राजस्थानी साहित्य की युगीन परंपरा का अध्ययन : कालक्रम के अनुसार एवं काव्य परंपरा – धाराओं के अनुसार

**इकाई योजना**

**प्रथम इकाई** भाषा एवं भाषा विज्ञान की परिभाषा , भाषा के अंग , भाषा विकास के कारण भाषा के विविध रूप – ग्राम्य बोली , बोली, उपबोली , विभाषा , मानक भाषा, भाषा की विशेषताएं (प्रवृत्तियां), भाषा की उत्पत्ति – प्रमुख सिद्धान्तों का परिचय

**लिपि** – भाषा – लिपि का संबंध , नागरी लिपि – (वर्ण एवं अंक का विकास) नागरी लिपि की वैज्ञानिकता, गुड़िया लिपि : परिचय । 20 अंक



**द्वितीय इकाई** वैदिकी, प्राकृत, अपभ्रंश का सामान्य परिचय एवं राजस्थानी के विकास में उनका योगदान, राजस्थानी भाषा की उत्पति एवं विकास, बोली क्षेत्र, प्रमुख–बोलियां और –उनका पारस्परिक अंतर, डिंगल और पिंगल – भाषा अथवा शैली, राजस्थानी भाषा की विशेषताएं – सामान्य एंव व्याकरणिक 20 अंक

**तृतीय इकाई** राजस्थानी साहित्य का काल विभाजन , प्रमुख काव्य धाराएं (शैलियां)
आदिकाल : प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार , कालगत विशेषताएं (प्रवृत्तियां) 20 अंक

**चतुर्थ इकाई** मध्यकाल : (पूर्व मध्यकाल – उत्तर मध्यकाल) प्रमुख काव्य धाराएं, रचनाएं एंव रचनाकार कालगत प्रवृत्तियां सगुण एवं निर्गुण भक्ति एवं तत्संबंधी सम्प्रदाय। 20 अंक

**पंचम इकाई** आधुनिक राजस्थानी – गद्य एवं पद्य साहित्य की प्रमुख विधाएं, नवीन चिंतन के घटक, प्रमुख काव्य – धाराएं, प्रवृत्तियां, रचनाएं एवं रचनाकार । 20 अंक

**अभिप्रस्तावित ग्रन्थ**

| | | |
|---|---|---|
| भाषा – विज्ञान | : | भोलानाथ तिवारी : किताब महल, दिल्ली |
| राजस्थानी भाषा | : | डॉ. सुनीति कुमार चाटुर्ज्या : साहित्य संस्थान, उदयपुर |
| पुरानी राजस्थानी | : | एल.पी. टैस्सीटोरी (अनु.) डॉ. नामवर सिंह |
| राजस्थान का भाषा सर्वेक्षण | : | जार्ज ए. ग्रियर्सन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया प्रकाशक : राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर |
| राजस्थानी भाषा और साहित्य–एक परिचय | : | डॉ. मोतीलाल मेनारिया |
| राजस्थानी भाषा – एक परिचय | : | नरोत्तम दास स्वामी |
| राजस्थानी सबदकोस (प्रथम खण्ड) | : | (सं.) सीताराम लालस प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर |
| डिंगल साहित्य | : | डॉ. गोवर्द्धन शर्मा |
| हिन्दी साहित्य का आदिकाल | : | आचार्य रामचन्द्र शुक्ल |
| प्राचीन भारतीय लिपिमाला | : | गौरीशंकर हीराचन्द ओझा |
| राजस्थानी व्याकरण | : | नरोत्तमदास स्वामी |
| मारवाड़ी व्याकरण | : | रामकरण आसोपा |
| राजस्थानी व्याकरण | : | (स) सीताराम लालस, राजस्थानी शोध सस्थान, चौपासनी , जोधपुर। |
| भाषा और भाषाविज्ञान | : | प्रो. रामाश्रय मिश्र एंव नरेश मिश्र प्रकाशक : उन्मेष प्रकाशन, 12 सुभाष कॉलोनी, करनाल |
| नागरीलिपि और हिन्दी वर्तनी | : | डॉ. अनन्त चौधरी : बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना |
| परंपरा (पत्रिका) | : | आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक राजस्थानी गद्य एवं पद्य के अंक प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर |

**चतुर्थ प्रश्न–पत्र** **राजस्थानी लोक साहित्य एवं संत साहित्य**

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

**अध्ययन क्षेत्र**

1. लोक साहित्य के सन्दर्भ में लोक का अर्थ, परिभाषा, तत्त्व , लोक मानस का स्वरूप एवं विशेषताएं
2. लोक साहित्य का सामान्य परिचय एवं विधाओं के अनुसार वर्गीकरण
3. राजस्थानी लोक साहित्य का अध्ययन एवं वर्गीकण के आधार
4. राजस्थानी लोक कथा ,लोकगीत, एवं लोकगाथा का विशिष्ट अध्ययन
5. राजस्थानी लोक देवी – देवताओं का परिचय
6. राजस्थान के प्रमुख संतों एवं संत–सम्प्रदायों का परिचय

**अंक योजना** 20 X 5 = 100 अंक

**प्रथम इकाई** लोक साहित्य : लोक एवं लोक मानस : परिचय, परिभाषा , लोकतत्त्व – एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) 20 अंक

**द्वितीय इकाई** लोक साहित्य : सामान्य परिचय एवं वर्गीकरण – लोक साहित्य एवं अभिजात्य साहित्य,लोक साहित्य का क्षेत्र विस्तार, लोक साहित्य का वर्गीकरण एवं उनके आधार –

एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) 20 अंक

तृतीय इकाई लोक कथा, लोक गीत, लोक गाथा, – एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) 20 अंक

चतुर्थ इकाई राजस्थानी लोक देवी–देवता – एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) 20 अंक

पंचम इकाई राजस्थानी संत एवं सन्त– सम्प्रदायों का परिचय – एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) 20 अंक

**अभिप्रस्तावित ग्रन्थ**

राजस्थानी लोक साहित्य का सैद्धान्तिक विवेचन : डॉ. सोहनदान चारण
राजस्थानी लोक नाट्य परम्परा एंव प्रवृत्तियां : डॉ. महेन्द्र भानावत
लोक साहित्य विज्ञान : डॉ. सत्येन्द्र
लोक साहित्य की भूमिका : डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
भारतीय लोक वाड्मय : डॉ. श्याम परमार
लोक धर्म : वासुदेवशरण अग्रवाल
लोक साहित्य (व्याख्यान) : झवेरचन्द मेघाणी
राजस्थानी लोक साहित्य : नानूराम संस्कर्ता
तेजाजी : डॉ. कन्हैयालाल सहल
तेजाजी : डॉ. महेन्द्र भानावत
मध्यकालीन भारतीय संस्कृति : गौरीशंकर हीराचन्द ओझा
नाथ सम्प्रदाय : डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
राजस्थानी लोक साहित्य एवं संस्कृति : डॉ. नन्दलाल कल्ला,
प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार जोधपुर।

## एम.ए. उत्तरार्द्ध

**प्रथम प्रश्न–पत्र** मध्यकालीन एवं प्राचीन राजस्थानी काव्य

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

**अध्ययन क्षेत्र**

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी काव्य परंपरा का अध्ययन 2. भक्ति परक रचनाओं एवं रचनाकारों का विशिष्ट अध्ययन 3. प्राचीन रचनाओं एवं वीर रसात्मक रचनाओं का विशिष्ट अध्ययन

**पाठ्यपुस्तकें**

1. रणमल्ल छंद : श्रीधर व्यास 2. वेलि किसण रुकमणी री : पृथ्वीराज राठौड़
3. हाला झाला रा कुण्डळिया : ईसरदास 4. मीराँ वृहद् पदावली – भाग : प्रथम

अंक योजना व्याख्या 9X4 = 36 अंक आलोचनात्मक प्रश्न 16X4 = 64 अंक

प्रथम इकाई चारों पुस्तकों में से एक – एक सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी इनमे आन्तरिक विकल्प दिया जायेगा (प्रत्येक व्याख्या हेतु 9 अंक निर्धारित होंगे)

द्वितीय इकाई रणमल्ल छंद : श्रीधर व्यास (आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

तृतीय इकाई वेलि किसण रुकमणी री : पृथ्वीराज राठौड़ (आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

चतुर्थ इकाई हाला झाला रा कुण्डळिया : ईसरदास (आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

पंचम इकाई मीराँ वृहद् पदावली : भाग प्रथम (प्रथम 101 पद) (आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

**पाठ्यपुस्तकें**

1. रणमल्ल छंद : (सं.) मूलचंद प्राणेश , भारतीय विद्या मन्दिर शोध प्रतिष्ठान , बीकानेर।
2. वेलि किसण रुकमणी री : (सं.) नरोत्तमदास स्वामी , श्रीराम मेहरा एण्ड संस, आगरा।
3. हाला झाला रा कुण्डळिया : (सं.) डॉ. मोतीलाल मेनारिया, द्विवेदी पुस्तक भण्डार , उदयपुर।
4. मीराँ वृहद् पदावली – भाग प्रथम : (सं.) पुरोहित हरिनारायण, प्रकाशक : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर।

**अभिप्रस्तावित ग्रन्थ**

1. प्राचीन काव्य रूपों की परंपरा : अगरचन्द नाहटा , भारतीय विद्या मन्दिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर।



2. वेलि किसण रुकमणी री : डॉ. आनन्द प्रकाश दीक्षित

**द्वितीय प्रश्न पत्र** मध्यकालीन एवं प्राचीन गद्य

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

**अध्ययन क्षेत्र**

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य परंपरा का अध्ययन 2. वचनिका परंपरा का अध्ययन
3. राजस्थानी वात परंपरा का अध्ययन 4. राजस्थानी वात परंपरा की समृद्ध एवं विस्तृत रचनाओं का अध्ययन

**पाठ्यपुस्तकें**

अचळदास खींची री वचनिका : शिवदास गाडण : (सं.) भूपतिराम साकरिया
राजस्थानी साहित्य संग्रह भाग–1 : (सं.) नरोत्तम दास स्वामी
कुवंरसी सांखलो : (सं.) डॉ. मनोहर शर्मा
मारवाड़ रा उमरावां री वारता : (सं.) सौभाग्यसिंह शेखावत

अंक योजना व्याख्या 36 अंक आलोचनात्मक प्रश्न 64 अंक

प्रथम इकाई चारो पुस्तकों में से एक–एक सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी इनमें आन्तरिक विकल्प दिया जायेगा। (प्रत्येक व्याख्या हेतु 9 अंक निर्धारित होंगे) 9X4 = 36 अंक

द्वितीय इकाई अचळदास खींची री वचनिका : शिवदास गाडण (आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

तृतीय इकाई राजस्थानी साहित्य संग्रह भाग – 1 – (आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

चतुर्थ इकाई कुवंरसी सांखलो–(आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

पंचम इकाई मारवाड़ रा उमरावां री वारता – (आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 16 अंक

**पाठ्यपुस्तकें**

1. अचलदास खींची री वचनिका : (सं.) भूपति राम साकरिया, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
2. राजस्थानी साहित्य संग्रह भाग–1 : (सं.) नरोत्तमदास स्वामी, राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर।
3. कुवंरसी सांखलो : (सं.) डॉ. मनोहर शर्मा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
4. मारवाड़ रा उमरावां री वारता : (सं.) सौभाग्यसिंह शेखावत , राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर।

**तृतीय प्रश्न–पत्र** काव्यशास्त्र एवं पाठालोचन

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

**अध्ययन क्षेत्र**

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धान्तों का अध्ययन 2. विभिन्न काव्यरूपों का अध्ययन 3. राजस्थानी काव्यशास्त्र और छन्दशास्त्र का अध्ययन 4. पाठालोचन के सिद्धान्त एवं पाठसम्पादन की प्रक्रिया का अध्ययन

**पाठ्यक्रम विषय सामग्री**

इकाई 1 : साहित्य का स्वरूप तथा विवेचन, भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि, साहित्य के तत्त्व, काव्य की मूल प्रेरणा और प्रयोजन
इकाई 2 : रस सिद्धान्त : रस निष्पत्ति, साधारणीकरण
अलंकार सम्प्रदाय, वक्रोक्ति सिद्धान्त (स्वरूप और भेद)
ध्वनि सिद्धान्त (ध्वनि का अर्थ और भेद)
इकाई 3 : अरस्तू के काव्य सिद्धान्त (अनुकृति सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त एवं काव्यरूपों का विवेचन), क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद, आई. ए. रिचर्ड्स का काव्य सिद्धान्त (मूल्य सिद्धान्त)
इकाई 4 : राजस्थानी छन्दशास्त्र का परिचय, अलंकार, काव्य–दोष
इकाई 5 : पाठालोचन की परिभाषा, स्वरूप और सिद्धान्त

अंक योजना ( इस प्रश्न पत्र में काव्य शास्त्र के लिए 80 अंक तथा पाठालोचन के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। )

प्रथम इकाई साहित्य शास्त्र – (एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 20 अंक

द्वितीय इकाई भारतीय काव्य शास्त्र – (एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 20 अंक

तृतीय इकाई पाश्चात्य काव्य शास्त्र – (एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 20 अंक

चतुर्थ इकाई राजस्थानी काव्य शास्त्र – (एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 20 अंक

**पंचम इकाई** पाठालोचन सिद्धान्त और प्रक्रिया -- (एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित) 20 अंक

**अभिप्रस्तावित ग्रंथ**

| | | |
|---|---|---|
| रस मीमांसा | : | रामचन्द्र शुक्ल |
| भारतीय साहित्यशास्त्र | : | बलदेव उपाध्याय |
| पाठालोचन सिद्धान्त और प्रक्रिया | : | डॉ. मिथलेश कांत तथा विमलेश कान्ति |
| समीक्षा सिद्धान्त | : | डॉ. राम प्रकाश |
| भारतीय पाठालोचन की भूमिका | : | डॉ. एस. एस. कत्रे |
| रघुवर जस प्रकास | : | किसना आढ़ा, प्रकाशक : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर |
| रघुनाथ रूपक | : | (सं.) महताब चंद खारेड़, प्रकाशक : साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली। |

**चतुर्थ प्रश्न–पत्र** **विशिष्ट साहित्यकार**

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

**अध्ययन क्षेत्र** विशिष्ट साहित्यकार के अध्ययन के संबंध में तीन साहित्यकारों के व्यक्तित्व और कृतित्व को अध्ययन का आधार बनाया गया है जिनमें तीन साहित्यकारों का निर्धारण किया गया है। विद्यार्थी इन तीनों में से एक साहित्यकार का चयन कर अध्ययन करेंगे–

1. ईसरदास 2. महाराजा चतुरसिंह 3. जनकवि गणेशलाल व्यास "उस्ताद"

**पाठ्यपुस्तकें**

प्रत्येक साहित्यकार के लिए निम्न पाठ्यपुस्तक का निर्धारण किया गया है जिनमें से एक का अध्ययन करना होगा।

| | | |
|---|---|---|
| 1. हरिरस | : | ईसरदास (कुल 50 पद) (पद सं. 1 से 50 तक) : द्वितीय संस्करण, (सं.) आचार्य बद्रीप्रसाद साकरिया, प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर |
| 2. चतुर चिंतामणी | : | महाराज चतुरसिंह (सम्पूर्ण) : महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन ट्रस्ट, उदयपुर |
| 3. जनकवि उस्ताद | : | सं. रावत सारस्वत, रामेश्वर दयाल श्रीमाली, प्रकाशक : राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर |

**अंक योजना** व्याख्या – 36 अंक आलोचनात्मक प्रश्न – 64 अंक

निर्धारित पाठ्यपुस्तकों में से चयनित साहित्यकार के अनुसार –

| | | |
|---|---|---|
| प्रथम इकाई : | व्याख्या–कुल चार : (आन्तरिक विकल्प सहित) (निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर) | 36 अंक |
| द्वितीय इकाई : | व्यक्तित्व एवं कृतित्व से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न : (आन्तरिक विकल्प सहित) | 16 अंक |
| तृतीय इकाई : | व्यक्तित्व एवं कृतित्व से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न : (आन्तरिक विकल्प सहित) | 16 अंक |
| चतुर्थ इकाई : | व्यक्तित्व एवं कृतित्व से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न : (आन्तरिक विकल्प सहित) | 16 अंक |
| पंचम इकाई : | व्यक्तित्व एवं कृतित्व से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न : (आन्तरिक विकल्प सहित) | 16 अंक |

**अभिप्रस्तावित ग्रन्थ**

1. हमारा उस्ताद : विजयदान देथा 2. महाराजा चतुरसिंह : संग्रामसिंह राणावत
3. ईसरदास बारहठ : (मोनोग्राफ), प्रकाशक : साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

**पंचम प्रश्न–पत्र** **निबंध**

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

## निबंध

निर्देश (1) – इस प्रश्न पत्र में <u>दस विषयों (विकल्पों) में से किसी एक साहित्यिक विषय</u> पर निबंध लिखना होगा।

निर्देश (2) – <u>यह निबंध राजस्थानी भाषा में अनिवार्य रूप से लिखाना होगा।</u>

□□□